ज्ञान सौरभ
19 April at 16:09 ·

मन्त्रसिद्धिप्रदमहादुर्गाशतनामस्तोत्रम् 🔱 🍂🌸

मित्रों, भगवती दुर्गा जी के चरणों में नाम आराधन की एक और पुष्पांजलि भेंट कर रहा हूँ। यूं तो भगवती पराम्बा के नाम, रूप, गुण, चरित्र अनंत हैं व गूढ़ हैं जिनको कोई कोई उनकी कृपा से ही जान व समझ पाता है :

"सो जानई जाहि देहु जनाही।
जानत तुमहि तुमही होई जाई।।"

नाम और नामी में कोई भेद नहीं। उसकी समस्त शक्तियां, ऐश्वर्य, तेज सब का सब नाम में समाहित होता है। जैसे कीट भ्रमर का चिंतन करते करते भ्रमर बन जाता है वैसे ही नाम जापक भी तद्रूप हो जाता है। यही अवस्था मंत्र जापक या योगी की होती है। मार्ग भिन्न है पर गंतव्य एक ही है।

"कलियुग केवल नाम अधारा,
सुमिरि सुमिरि नर उतरहिं पारा।।"

भगवती जी का पंचोपचार पूजन कर, लौंग, इलायची, सुपारी, पान पत्ता, गुलाब/गुड़हल/कनेर/लाल कमल, हलवा, चना, खीर, अनार आदि यथाशक्ति अर्पित कर अखण्ड घृत या तिल के तेल दीपक जलाकर 21, 27, 31, 51, 101 पाठ रोज कीजिये। नवरात्र में प्रतिदिन या सप्तमी, अष्टमी, नवमी को रात्रि में कीजिये। स्वयं अनुभव प्राप्त होंगे।

🌹जपकाल में लाल सिंदूर को सामने रख ले पूरे जपकाल रखा रहने दें। बाद मे इससे तिलक करें, सर्वत्र विजय, सुख शांति, पति पत्नी विवाद निवारक सिद्ध होगा।

वेद मंत्रों व तांत्रिक मंत्रों जहाँ बहुत झंझट है वहीं नाम जप सरल सुगम व सबके लिए है। अस्तु, आप सब इसका लाभ लें।

।।🍃🌹🔱🌹🍃।।

ॐ दुर्गा भवानी देवेशी विश्वनाथप्रिया शिवा ।
घोरदंष्ट्राकरालास्या मुण्डमालाविभूषिता ॥ १॥

रुद्राणी तारिणी तारा माहेशी भववल्लभा ।
नारायणी जगद्धात्री महादेवप्रिया जया ॥ २॥

विजया च जयाराध्या शर्वाणी हरवल्लभा ।
असिता चाणिमादेवी लघिमा गरिमा तथा ॥ ३॥

महेशशक्तिर्विश्वेशी गौरी पर्वतनन्दिनी ।
नित्या च निष्कलङ्का च निरीहा नित्यनूतना ॥ ४॥

रक्ता रक्तमुखी वाणी वस्तुयुक्तासमप्रभा ।
यशोदा राधिका चण्डी द्रौपदी रुक्मिणी तथा ॥ ५॥

गुहप्रिया गुहरता गुहवंशविलासिनी ।
गणेशजननी माता विश्वरूपा च जाह्नवी ॥ ६॥

गङ्गा काली च काशी च भैरवी भुवनेश्वरी ।
निर्मला च सुगन्धा च देवकी देवपूजिता ॥ ७॥

दक्षजा दक्षिणा दक्षा दक्षयज्ञविनाशिनी ।
सुशीला सुन्दरी सौम्या मातङ्गी कमलात्मिका ॥ ८॥

निशुम्भनाशिनी शुम्भनाशिनी चण्डनाशिनी ।
धूम्रलोचनसंहारी महिषासुरमर्दिनी ॥ ९॥

उमा गौरी कराला च कामिनी विश्वमोहिनी ।
जगदीशप्रिया जन्मनाशिनी भवनाशिनी ॥ १०॥

घोरवक्त्रा ललज्जिह्वा अट्टहासा दिगम्बरा ।
भारती स्वरगता देवी भोगदा मोक्षदायिनी ॥ ११॥

इत्येवं शतनामानि कथितानि वरानने ।
नामस्मरणमात्रेण जीवन्मुक्तो न संशयः ।
पठित्वा शतनामानि मन्त्रसिद्धिं लभेत् धृवम् ॥ १२॥

इति मन्त्रसिद्धिप्रदमहादुर्गाशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।
🔱🌹🔱🌹🔱🌹🔱🌹🔱🌹🔱🌹🔱

Like Comment Share

99

28 shares

Write a comment... Post

Top fan
Dharmendra Tyagi
Super 1

3 mths **Like** **Reply** **More**

Brijesh Singh
जय माता दी

3 mths **Like** **Reply** **More**

Ajay Kumar
Jai mata di 🙏🙏🙏🙏

3 mths **Like** **Reply** **More**

Top fan
Dharmendra Tyagi